हूं कि वह अलीगढ़ विश्वविद्यालय की शोचनीय स्थिति पर तुरन्त ध्यान दे।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) उपसभापति महोदया, अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के विषय में जो बातें यहां रखी गई हैं, मैं उनसे संबद्ध करना चाहता हूं। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में इन दिनों एंटी सोशल एलीमेंट्स और कम्यूनल एलीमेंट्स की वजह से सब तरह की अव्यवस्था फैली हुई है। न वहां पर ला एंड आर्डर है और न पढ़ाई का वातावरण है। जो लोग इस तरह की बात करते हैं, उनको मारा जाता है, पीटा जाता है। सब प्रकार की बातें वहां पर हो रही हैं। अभी यह समाचार छपा है कि वहां पर कई बार आई.एस.आई. के लोग भी अपना अड्डा जमाने की कोशिश कर रहे हैं। वहां पर और लोग भी अपना अड्डा जमा रहे हैं। कहीं ऐसा न हो कि अलीगढ़ यूनिवर्सिटी जो एक संस्था चल रही थी, वह पूरी तरह से बरबाद हो जाए, नष्ट हो जाए और फिर उसको चलाना भी एक प्रकार से असम्भव हो जाए। इसलिए चूंकि यह एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी है, इसलिए केन्द्रीय सरकार के हाथ में है, उनको चाहिये कि वहां के हालात को ठीक करने के लिए और एंटी सोशल एलीमेंट्स तथा कम्यूनल एलीमेंट्स को बाहर निकालने के लिए कड़े से कड़े कदम उठाएं। यही मेरा आपसे अनुरोध है।

Denial of seat to Shri Chandra Shekhar in Modiluft Aircraft

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार): उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक इतने महत्वपूर्ण सवाल की ओर खींचना चाहता हूं कि जिसे जानकर यह पूरा सदन चौक सकता है। यह घटना 21 मई की है। मोदीलुफ्त इंडिया एयरलाइंस इस देश में कार्यरत है। यह सवाल इस देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी से जुड़ा हुआ है। मोदीलुफ्त ने 21 मई को हैदराबाद से दिल्ली आने के लिए माननीय चन्द्रशेखर जी को कनफर्म टिकट इश्यू किया था। इसका सर्टिफिकेट मोदीलुफ्त के मेनेजर ने खुद दिया है। उन्होंने कनफर्म टिकट आदरणीय चन्द्रशेखर जी को दिया था। उनका जो स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप है, उसका टिकट आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल और वहां के मुख्य सचिव के दफ्तर से कनफर्म किया गया था। मुख्य सचिव ने एस.पी.जी. का टिकट वहां से दिया था लेकिन जब यह सारे लोग अपना टिकट ले कर एयरपोर्ट पर गये तो मोदीलुफ्त की मेनेजमेंट के लोगों ने, पदाधिकारियों ने यह कह कर बात खत्म कर दी कि आपका टिकट कनफर्म है लेकिन आपको सीट नहीं देंगे। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इस देश में किस तरह का.. (व्यवधान)

श्री एस० जयपाल रेड्डी : कारण क्या बताया?

श्री दिग्विजय सिंह: कारण कुछ नहीं बताया। इतना ही बताया कि हैदराबाद में जो हमारा दफ्तर है, उसके पास इसकी कोई जानकारी नहीं है कि आपका टिकट कनफर्म है या नहीं है। यह सवाल हम पिछले कई दिनों से इस सदन में उठा रहे है कि जिस तरह से तमाम मान्यताओं को तोड़ने की कोशिश यह प्राईवेट एयरलाइंस इस देश में कर रही है। इस विषय को कई बार जागेश देसाई जी ने भी उठाया है। हम लोगों ने उठाया था। शराब पिलाने से ले कर बड़े नेताओं की अवहेलना करना, उनको नीचा दिखाना, यह प्राईवेट एयरलाइंस जिनका संबंध बहु-राष्ट्रीय कम्पनियों से है, लुफ्थांजा कम्पनी भी उनके साथ जुड़ी हुई है। यह कम्पनियां यह साबित करना चाहती है कि इस देश में जो चाहें वह कर लें चाहे कोई भी व्यक्ति हो। यह बात मेरी समझ में नही आती कि अगर भूतपूर्व प्रधानमंत्री के साथ यह घटना हो सकती है तो देश के आम आदमी का क्या हाल इन एयरलाइंस के माध्य से हो सकता है। एक बात आप यह भी ध्यान में रखें कि जो आदमी हवाई जहाज से चलता है उसके कई तरह के कार्यक्रम होते हैं। माननीय चन्द्रशेखर जी के भी कई कार्यक्रम दिल्ली में उस दिन थे। उनमें अवरोध उत्पन्न हुआ। दुर्भाग्यवश या सौभाग्यवश कहिये इण्डियन

एयरलाइंस मेहरबान हुई और किसी तरह से वे दिल्ली आ सके। इसलिए मैं सरकार से मांग करना चाहता हूं कि सरकार इस पर अविलम्ब कोई फैसला ले ताकि देश के लोगों को यह विश्वास हो सके कि सरकार का राज्य इस देश में चल रहा है। यहां बहु राष्ट्रीय कम्पनियां बड़े मुनाफाखोर लोगों के साथ तालमेल बैठा कर जो अपना प्रशासन चलाना चाहती है उसको रद्द करने का काम किया जाए। मैं गुलाम नबी आज़ाद साहब का शुक्रगुज़ार हूं जो यहां पर एक घंटे तक बैठे रहे, मैं यह चाहूंगा कि वे इस बात का जवाब दें और कम से कम एश्योरेंस दें कि इस देश में ऐसी एयरलाइंस को चलने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Madam Chairperson, this is the eye-opener for the Government with regard to what the private airlines can do. If they cannot provide the confirmed seat to the ex-Prime Minister to what extent can they go? They have totally thrown away all rules. I can quote rules which have appeared in *The Times of India* some days back. If any aircraft is hit by a bird, it has to land immediately. But one airlines even from the airport flew to its destination. At Aurangabad that accident had happened. On what account? It happened because of excess cargo and excess passengers. These airlines are providing excess seats and excess cargo to the passengers but they could not provide a seat for Mr. Chandra Shekhar.

Not only that, they also carry excess cargo. One of the airlines was proud to issue an advertisement in "The Times of India" saying that they were the first airline to serve champagne in the aircraft. I want the Government to see that the private airlines are disciplined and amend the rules in such a way that they do not serve liquor or champagne. In order to carry more passengers they are offering even seats meant for the crew. I want the Government to stop all these things; otherwise the accident to an aircraft at Aurangabad, 1989 will recur. The Court of Inquiry came to the conclusion that the accident took place because it was carrying more passengers. Therefore, the Government should not allow these airlines to play with the lives of the people who want to travel by private airlines. The Government should look into this matter and they should discipline them.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam Deputy Chairman, we had earlier discussed the unfair business practices which the private airlines are adopting with a view to pushing Indian Airlines to a bankrupt position. I am not on that. The specific incident to which Mr. Digvijay Singh has drawn attention is disturbing. If they could do this to a former Prime Minister of India, then, no passenger can feel certain about a seat. The Minister should come forth with a specific answer to this question and he must also order an inquiry into this incident.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहिबा, मैंने जाकर तफसील से इसको देखा।

†[ ] دل "ٹائمز آف انڈیا" : شکندر بخت
جاکر تفصیل سے اس کو دیکھا۔

It is absolutely disgusting.

अगर इस किस्म का पैसेंजर्स के साथ सलूक करते हैं तो किस किस्म का आपके एडमिनिस्ट्रेशन के अख्तियार में है, उनके खिलाफ कोई कार्यवाही करना। मैं कोई इन्क्वायरी वगैरह नहीं बल्कि यह जानना चाहता हूं कि:

اگر اس قسم کا پسنجرس کے ساتھ سلوک کرتے ہیں۔ تو کس قسم کا آپ کے اڈمنسٹریشن کے اختیار میں ہے ان کے خلاف کوئی کارروائی کرنا۔ میں کوئی انکوائری وغیرہ نہیں بلکہ یہ جاننا چاہتا ہوں کہ۔

†[]Transliteration in Arabic script.

How do you propose to punish these people? How can they insult a former Prime Minister of India? Are they under your administrative control or not? Can you take some action against them on account of their derogatory action against the former Prime Minister of India?

बताइये गुलाब नवी साहब कि क्या कर सकते हैं आप इसमें।

[1]کہ کیا کر سکتے ہیں آپ اس میں۔

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam Deputy Chairman, I associate myself with the issue raised by my honourable colleague, Mr. Digvijay Singh. There are two issues involved here. In this particular case, an eminent Indian citizen who happens to be the former Prime Minister of our country was denied his rightful claim. Any passenger after having obtained a confirmed ticket is entitled to travel by an aircraft. That is one part of the issue.

The second issue is the way in which the private airlines are operating. Unfortunately, this has some relation with the "open sky" policy of the Government. Are you intending to have some reasonable control over the private airlines? I do not want to elaborate further. If you allow the private airlines to go scot-free on such occasions, then, they will go to any extent. Since the hon. Minister is present I hope that he will respond to the point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If Members want the hon. Minister to reply, please give him sometime.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam Deputy Chairman, my point is that private airlines have entered into a total unfair trade practice to occupy the Indian sky. On the one hand, the private airlines are being allowed to move with impunity to earn unreasonable, illegitimate profit. On the other hand, the profit of the Indian Airlines is declining and going down. This is an example the way in which they are moving with arrogance. The arrogance arises out of the patronage extended by the Government to them. The patrons are there in the Government.

Therefore, I wish the Minister dispelled my belief that he is presiding over the liquidation of the Indian Airlines and is instrumental in the invasion of the Indian sky by the private airlines who are totally arrogant and who have been indulging in unfair trade practices.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, the matter which has been raised by Mr. Digvijay Singh is a serious thing. I know that the whole House including those Members who are not raising their hands or those who are not raising their hands are of the same opinion, that such a behaviour should not have been there, that the former Prime Minister, Mr. Chandra Shekhar, should not have been subjected to such a behaviour by Modiluft or by any other airlines. That is one part. The second part is that these private airlines are misbehaving and the Minister should look into it. I think everyone gets associated here. Now, let the Minister say something. (*Interruption*). Please, one minute. As I said before, in our enthusiasm to associate, sometimes we forget what the main issue is. The main issue is insult to a former Prime Minister of this country. That is the prime thing. The second thing is now they conduct it. Let us first deal with one and then the other. Let us not discuss the whole running of the private airlines.

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम, पहले मैं एक मिनट कह दूं . . . (व्यवधान)

उपसभापति : अभी आप सभी बोलेंगे, फिर मैं आपको कहूं . . . . (व्यवधान)

I have to ask everybody. Once the Chair has given a direction, let the Minister say what he has to.

[1]Translitration in Arabic Script.

बैठिए, शंकर दयाल जी ।

श्री शंकर दयाल सिंह : आपने मेरी कभी आवाज सुनी.... (**व्यवधान**)

उपसभापति : कल तो मेरी आवाज ही नहीं सुनाई दे रही थी ।

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): Madam, as far as the functioning and working of the airlines in general and private air-taxis in particular is concerned, we might find some other occasion to discuss it at length. But then, as for the question raised by my hon. friend, Shri Digvijay Singhji, with regard to a former Prime Minister and one of the most senior Members of Parliament of the other House, I am very sorry that this should happen with a person who is not only a senior Member of Parliament but also a former Prime Minister. It is very sad. I will definitely go into it and I will get back to the hon. Member and also to the hon. former Prime Minister.

At the same time, on the issues raised by hon. Members of the House in regard to the day-to-day functioning of the private airlines and whether the Government has powers, I have said on a number of occasions, both inside the House and outside, that "open sky" does not mean free for all. They will have to work under the rules and regulations drawn by the Government. It cannot be free for all. As for overloading and passengers sitting in the cockpit, the Director-General, Civil Aviation has already taken action. He has already grounded a few of the pilots. In future also, if stringent action is required, action will always be taken for the safety and security of the passengers, for the respect and dignity of the passengers.

Thank you very much.

श्री शंकर दयाल सिंह : मैडम, यह कोई जवाब नहीं है... (**व्यवधान**)

श्री अनन्त राम जायसवाल : मेरा एक निवेदन है... (**व्यवधान**)

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया, मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं.... (**व्यवधान**)

प्रो० जिवय कुमार मल्होत्रा : सब अखबारों में छपा है, इन्होंने कहीं नहीं कहा है... (**व्यवधान**)

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, आदरणीय चन्द्रशेखर जी भूतपूर्व प्रधान मंत्री और हमारे देश के वरिष्ठ नेता हैं।

उपसभापति : वही उन्हों ने कहा है।

श्री शंकर दयाल सिंह : उनके साथ हुआ । मैं कहना चाहता हूं कि अगर आर्डिनरी पैसेंजर जिसका टिकट ओ. के. रहता है, उसको भी कोई एयरलाइंस रिफ्यूज कर दे, तो इसके बारे में सरकार क्या कार्यवाही कर सकती है ? दूसरा, मंत्री महोदय ने कोई जवाब नहीं दिया, गोल-मटोल जवाब दिया । मैं चाहता हूं कि जब तक इसकी इन्क्वायरी नहीं आ जाए और जवाब नहीं मिल जाए, मोदी लुफ्तांजा पर प्रतिबन्ध लगे, तब तक उसका आपरेशन बन्द करवाया जाए, यह मांग मैं सरकार से करता हूं । यह तो कोई तरीका ही नहीं हुआ और इस पर मंत्री महोदय कुछ रिएक्ट करें ।

उपसभापति : श्री विष्णु कान्त शास्त्री। .... (**व्यवधान**)

श्री अनन्त राम जायसवाल : मैडम.. (**व्यवधान**)

उपसभापति : आप तो बोल दिए... (**व्यवधान**)

श्री ईशदत्त यादव : मैडम, यह गंभीर विषय है, इस पर हमको भी कहना है । (**व्यवधान**)

उपसभापति : इस पर कोई डिसक्शन नहीं होगा। यह गंभीर विषय है, इसलिए मैंने अपने को एसोसिएट किया ।... (**व्यवधान**)

आप लोग ज्यादा बोल कर विषय को डायल्यूट कर देते हैं।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : मंत्री जी ने इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया है।

उपसभापति: गंभीरता से लिया है।

श्री ईश दत्त यादव : इसलिये बोलने की आवश्यकता पड़ रही है और मैं निवेदन करना चाहता हूं कि एक मिनिट का समय बोलने के लिय दे दिया जाए।

उपसभापति : एक बात मैं अर्ज करूं कि चयर के डायरेक्शन से अगर आपके ख्याल में गंभीरता नहीं आ रही है, तो आपके बोलने से आ जाएगी? मेरे ख्याल से जो मंत्री जी ने कहा है, आश्वासन दिया है, उसके अलावा वह कुछ बोल नहीं सकते श्री विष्णु कान्त शास्त्री। बोलिए।

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, यह आश्वासन भी नहीं है। देश के भूतपूर्व प्रधान मंत्री के साथ यह घटना हुई है। इन्हें तत्काल अपना निर्णय सुना देना चाहिए था।

श्री अनतराम जायसवाल (उत्तरप्रदेश) : मैडम, एक मिनिट।

उपसभापति : देखिए, अभी समय नहीं है।

We have got only four minutes. I have got three names more and then I will adjourn.

श्री अनतराम जायसवाल : इतने में तो मैं अपनी बात कह देता।

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is between you and him.

श्री अनतराम जायसवाल: इस विषय में सवाल सिर्फ एक है कि क्या चन्द्रशेखर जी के पास ओ०के० टिकिट था? मेरा ख्याल है कि जो सर्टिफिकेट इस संबंध में दिखाया गया है, इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। तो अगर टिकिट था और उसके बावजूद उनको प्लेन में जगह नहीं दी गयी, तो यह जुर्म है कि नहीं और अगर जुर्म है, तो मंत्री जी उसकी क्या सजा देना चाहते हैं, यह मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं ?

श्री दिग्विजय सिंह : हां, यह तो बता दीजिए। ओ०के० का सर्टिफिकेट मोदी लुफ्त के मैनेजरों ने दिया है, उसके बावजूद आप उन पर क्या एक्शन ले रहे हैं ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: He cannot just give an answer like this. Let him find out.

श्री गुलाम नबी आजाद : मैडम, मैंने पहले ही कहा है और में इसको हिन्दी में रिपीट करता हूं। मैंने कहा कि यह बडे दुर्भाग्य की बात है कि किसी पैसेंजर के साथ ऐसी घटना हो और विशेष रूप चे भूतपूर्व प्र,धान मंत्री जी के साथ, ऐसी घटना हो तो वह गम्भीर है।

श्री शंकर दयाल सिंह : आप उसे रोक रहे हैं कि नहीं, सदन को यह आश्वासन चाहिये।

उपसभापति : अभी यह सब नहीं होता, बैठिए। बैठ जाइए। शंकर दयाल जी, बैठ जाइए।

I am not allowing. I am not allowing. Shankar Dayalji, I am not allowing. Please sit down.

श्री गुलाम नबी आजाद : मुझे मुक्कम्मल तो करने दीजिए।

उपसभापति : मंत्री जी, को जवाब देने दीजिए। बैठ जाइए।.. **(व्यवधान)**

श्री गुलाम नबी आजाद : बात सुनिए। अभी मैंने मुकम्मल किया नहीं । . . . **(व्यवधान)** . . . अभी मैंने जवाब पूरा तो नहीं किया न ।

श्री ईश दत्त यादव : आप बताइए न कि क्या एक्शन ले रहे हैं? . . . (*Interruptions*) . . .

उपसभापति : बता तो रहे हैं। आप चुप रहिए, बैठ जाइए । This is a very unruly behaviour which you Members show. I am sorry, I am not allowing... (*Interruptions*)... He is speaking and you are disturbing. This is unruly... (*Interruption*)... This is unruly behaviour. This is my ruling. This is unruly behaviour... (*Interruptions*)... It is not going on record. What he says is not going on record. It won't go on record.

SHRIS SHANKAR DAYAL SINGH:*

उपसभापति : शंकर दयाल जी ने जो बोला है, वह रिकार्ड में नहीं जाएगा। बिल्कुल मत लिखिए । मंत्री जी बोल रहे हैं। . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री गुलाम नबी आजाद : शंकर दयाल जी. . . . **(व्यवधान)** . . .

उपसभापति : बिल्कुल इंटरप्ट मत कीजिए । शंकर दयाल जी, आप सुनते नहीं हैं। आप सुनते नहीं हैं हाऊस में। मैंने चेयर से कहा कि इसके ऊपर ध्यान दीजिए, लेकिन आपने सुना नहीं । आप अपनी बात सुनते रहते है । Don't irritate unnecessarily.

मंत्री जी जवाब दे रहे है, तो उनको आप बोलने नहीं देंते और यह जाहिर करने की कोशिश कर रहे हैं कि किसी को ध्यान नहीं है, चन्द्रशेखर जी का।

*Not recorded.

This is not correct.

श्री गुलाम नबी आजाद : मैडम, मैंने यह भी कहा था कि मुझे अफसोस है कि ऐसा हुआ और मैंने यह भी कहा कि उसकी इन्क्वायरी करेंगे ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : अभी तक क्या किया है? यह घटना 21 मई को हुई और सारे अखबारों में खबर छपी है।

उपसभापति : उनको कब दिया।

When did he give it to him?

श्री गुलाम नबी आजाद : अभी विषय इस वक्त हुआ, आप इस वक्त कहेंगे और अभी मैं फरमान इश्यू कर दूगा? ऐसा नहीं हो सकता।

उपसभापति : उनको कब दिया ?

I am not concerned about it.

श्री गुलाम नबी आजाद : बगैर इन्क्वायरी के ऐसा नहीं हो सकता मैम्बर चाहेंगे और यहां से फरमान जारी होगा, ऐसा नहीं है।

SHRI SIKANDER BAKHT: Ghulam Nabiji, do you have any administrative control over them... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing. It is also not going on record.

श्री गुलाम नबी आजाद : डेमोक्रेसी में यह है कि आपने अपनी बात बतायी, उसके बाद इन्क्वायरी करूंगा और फिर एक्शन होगा। ऐसा नहीं होता है कि आप कहेंगे और यहीं से फरमान पास कर दिया । यह डेमोक्रेसी है, कोई डिक्टेटरशिप तो नहीं है । . . . (*Interruptionss*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am allow... (*Interruptions*)... I am not allowing anything more. Shastriji.

(*Interruptions*)

शास्त्री जी, खाली एक मिनिट है और तीन लोग बोलने वाले हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज : (हरियाणा) : मैडम, 10 मिनिट बढ़वा दीजिए।

उपसभापति : नहीं, तीन लोग बोलने वाले हैं और एक मिनिट रह गया है।

I have a meeting with the Leader of the Opposition.

श्री विष्णु कांत शास्त्री : महोदया, आपने मेरा नाम पुकार लिया है।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : मैडम, एक मिनट में कैसे हो जायेगा? इसको लंच के बाद ले लीजिएगा।

उपसभापति : बाद में यह नहीं होगा। बाद में ..... (**व्यवधान**) .. अभी तीन लोग है, वह बोल दीजिएगा

श्रीमती सुषमा स्वराज : नहीं तो फिर, क्या ढाई बजे होगा

उपसभापति : ढाई बजे। उसके बाद... (**व्यवधान**) ...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सुगर वाला।

उपसभापति : सुगर वाला लेना है। ... (**व्यवधान**) ...

श्रीमती सुषमा स्वराज : नहीं, तो यह बोलकर फिर सुगर वाला होगा? पहले यह तीन, फिर सुगर वाला?

उपसभापति : हां।

Because I have a meeting with the Leader of the Opposition.

श्रीमती सुषमा स्वराज : ठीक है, जैसी आपकी मर्जी।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House stands adjourned till 2.30 P.M. for lunch.

The House then adjourned for lunch at thirty minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-three minutes past two of the clock, The Vice-Chairman (Shri MD. Salim) in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Two Members have to make their zero hour mentions. Shri Vishnu Kant Shastri not there. Shrimati Sushma Swaraj-not there.

Now, we will take up clarifications on the statement made by Shri Kalp Nath Rai Shri V. Narayanasamy.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Mr. Vice-Chairman, Sir, thank you for giving me this opportunity to seek clarifications on the statement made by the Minister of Food. In our country, sugar production has come down as compared to 1991-92 and 1992-93.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Mr. Narayanasamy, one minute. Yesterday, the Minister made this statement. It was decided that the hon. Members would seek clarifications. Now, it has been converted into a Short-Duration Discussion. In that case the BJP will speak first.

SHRI V. NARAYANASAMY: If it is decided by the BAC, then I have no objection.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Now, it is a Short-Duration Discussion. Dr. Murli Manohar Joshi.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I put on record my disapproval of the way things are being changed because yesterday and today morning, we were given to understand that there should be questions but in a broad and enlarged way. Suddenly, I am given to understand that there has been a change